



युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण ग्रुप
जून, 2015 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

जून मास का चार्ट:

लक्ष्य – सर्व संबंधों की अनुभूति।

आज दिन तक हमने भक्ति मार्ग में भी कहा कि तुम्हीं हो माता, पिता तुम्हीं हो...ज्ञान में आने के पश्चात् भी हमने सुना और कहा कि हमारे सर्व संबंध बाबा से है, परंतु उसकी अनुभूति कितनी? अगर अब भी हमने बाबा से सर्व संबंध अनुभव नहीं किये तो बाकी कब करेंगे। फिर तो पछताने के सिवाय कुछ नहीं हाथ आएगा। देहधारियों के संग तो हम सारा कल्प रहे पर स्वयं भगवान के साथ का अनुभव तो अभी ही संभव है। हर समय बाबा के भिन्न-भिन्न संबंधों का सहयोग लेना अर्थात् अनुभव करना ही योग है। बाबा कैसे भी समय पर संबंध निभाने के लिए बँधे हुए हैं। अगर एक भी संबंध की अनुभूति से वंचित रह गये तो सारा कल्प ही वंचित रह जायेंगे क्योंकि कल्प में अभी ही सर्व अनुभवों की खान प्राप्त होती है।

तो आइये, हम अपने सर्व संबंधों का रस एक बाबा से अनुभव करें और एक रस बन जाए।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	मात-पिता
दूसरा	बंधु-सखा
तीसरा	साजन-स्वामी
चौथा	टीचर-गुरु

हर सप्ताह में जो संबंध की अनुभूति का लक्ष्य रखा है वह संबंध अमृतवेले से ही अनुभव करें और रात्रि सोने से पूर्व क्या अनुभूति रही वह कम से कम 10 लाईन्स डायरी में लिखें।

- ❖ विशेष Activity: हर रोज़ बाबा को (जो सप्ताह में संबंध दिये है) पत्र लिखना।
- ❖ फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:
 - 1.गुड मॉर्निंग - 3.30
 - 2.अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
 - 3.व्यायाम/पैदल- हाँ जी
 - 4.ट्रैफिक कंट्रोल- 5
 - 5.मुरली क्लास - क्लास में सुनी
 - 6.अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
 - 7.स्वमान की स्मृति -बहुत अच्छी
 - 8.नुमाशाम का योग- हाँ जी
 - 9.संबंध - 50%
 - 10.गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. मेरे तो एक शिवबाबा दूसरो न कोई।
2. तुम्हीं संग बैठुं, तुम्हीं संग खाऊ, खेलू...

अभ्यास: ट्राफिक कंट्रोल के समय विशेष उस संबंध से प्यार भरी दृष्टि लेना।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

मात-पिता:	15. मैं आत्मा वफादार हूँ।
1. मैं आत्मा बाबा का लाड़ला बच्चा हूँ।	16. मैं आत्मा सदा सुहागिन हूँ।
2. मैं आत्मा कुलदीपक हूँ।	17. मैं आत्मा शिवशक्ति हूँ।
3. मैं आत्मा बाप की दाढ़ी की लाज रखने वाला हूँ।	18. मैं आत्मा सच्ची सीता हूँ।
4. मैं आत्मा सिकीलधा बच्चा हूँ।	19. मैं आत्मा सदा गुणों से श्रृंगारी हुई हूँ।
5. मैं आत्मा बालक सो मालिक हूँ।	20. मैं आत्मा एकव्रता हूँ।
6. मैं आत्मा बाबा का नामबाला करने वाला हूँ।	21. मैं आत्मा परम पवित्र हूँ।
7. मैं आत्मा सन शोज़ फाधर करने वाला हूँ।	टीचर-गुरु
बंधु-सखा:	22. मैं आत्मा गोड़ली स्टूडण्ट हूँ।
8. मैं आत्मा खुदा दोस्त हूँ।	23. मैं आत्मा फरमानवरदार हूँ।
9. मुझ आत्मा का रक्षक स्वयं भगवान है।	24. मुझ आत्मा का शिक्षक स्वयं भगवान है।
10. मुझ आत्मा का मन मित भगवान है।	25. मैं आत्मा ज्ञान रत्नों से झोली भरनेवाला हूँ।
11. मुझ आत्मा का श्रेष्ठ सखा स्वयं भगवान है।	26. मैं आत्मा सतगुरु बाप की भुजा हूँ।
12. मैं आत्मा स्वयं भगवान की छत्रछाया में हूँ।	27. मैं आत्मा मास्टर गति सद्गति दाता हूँ।
13. मैं आत्मा बेफिक्र बादशाह हूँ।	28. मैं आत्मा मास्टर ज्ञानसूर्य हूँ।
14. मैं आत्मा सर्व खज़ानों से सम्पन्न हूँ।	29. मैं आत्मा फर्स्ट डिविजन में आने वाली हूँ।
साजन-स्वामी:	30. मैं आत्मा लास्ट सो फास्ट, फास्ट सो फर्स्ट हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है। अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम गुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम: _____	सेन्टर का नाम: _____	DiDar No: _____
गुड मॉर्निंग-90%	अमृतवेला-75%	
व्यायाम/पैदल-80%	ट्रैफिक कन्ट्रोल-90%	
मुरली क्लास-90%	नुमाशाम का योग-80%	
स्वमान की स्मृति-75%	अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%	
संबंध -40%	गुड नाइट-95%	
चार्ट: OK या OK		टीचर के हस्ताक्षर
मैं मर्यादा पुरुषोत्तम गुप में जुड़ना चाहता हूँ।		

Youth Wing
6/7, Mahadevnagar Society, Opp. Akar Complex, Sardar Patel Stadium Road,
Navjivan, Ahmedabad-380014
Phone No: (079) 26444415 / 26460944 Mobile: (+91) 9427313773
Email: youthwing@bkivv.org Website: www.bkyouth.org